

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 270]

रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 5 जुलाई 2019 — आषाढ़ 14, शक 1941

चिकित्सा शिक्षा विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 1 जुलाई 2019

अधिसूचना

क्रमांक एफ 3-28/2018/नौ/55-4.— छत्तीसगढ़ शासन, एतद्वारा, राज्य शासन द्वारा स्थापित स्वशासी चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में शैक्षणिक संवर्ग के लिये निम्नलिखित आदर्श सेवा नियम बनाता है, अर्थात्:-

आदर्श सेवा नियम

- संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ.**— (1) ये नियम छत्तीसगढ़ स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालयीन शैक्षणिक आदर्श सेवा नियम, 2019 कहलायेंगे।
(2) ये नियम ऐसे स्वशासी चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालय पर लागू होंगे जिसकी कार्यकारिणी समिति संकल्प पारित कर इन नियमों को अंगीकृत करे :
परंतु यह कि ये नियम पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर पर लागू नहीं होंगे।
(3) ये नियम ऐसी तारीख से प्रवृत्त होंगे; जिस पर कार्यकारिणी समिति संकल्प पारित करे।
- प्रयुक्ति.**— (1) ये नियम स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालयों के लिये शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा सृजित शैक्षणिक पदों पर लागू होंगे।
(2) स्वशासी महाविद्यालय, इन नियमों को ऐसे शैक्षणिक पदों के लिए भी लागू कर सकेगा जिनके वेतन तथा भत्तों का भुगतान स्वयं के राजस्व से किया जाता है और जिसके संबंध में कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष से लिखित में अनुमति ले ली गई हो।
- परिभाषाएं.**— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
(1) “महाविद्यालय” से अभिप्रेत है स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालय, जिसकी कार्यकारिणी समिति ने, पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर को छोड़कर, इन नियमों को लागू किया हो;
(2) “अधिष्ठाता” से अभिप्रेत है महाविद्यालय के मुख्य कार्यपालन अधिकारी;
(3) “कार्यकारिणी समिति” से अभिप्रेत है छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1973 (क्र. 44 सन् 1973) के अन्तर्गत गठित चिकित्सा/दंत चिकित्सा महाविद्यालय की स्वशासी समिति की कार्यकारिणी समिति;

- (4) "चिकित्सा शिक्षक" से अभिप्रेत है अनुसूची-एक में विनिर्दिष्ट किसी पद के विरुद्ध नियुक्त व्यक्ति;
- (5) "प्राचार्य" से अभिप्रेत है दंत चिकित्सा महाविद्यालय के मुख्य कार्यपालन अधिकारी;
- (6) "अर्हता" से अभिप्रेत है विनिर्दिष्ट पदों के लिये भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा विहित अर्हता;
- (7) "अनुसूची" से अभिप्रेत है भारसाधक सचिव, चिकित्सा शिक्षा द्वारा महाविद्यालय के लिये अनुमोदित अनुसूची;
- (8) "चयन समिति" से अभिप्रेत है इन नियमों के अंतर्गत गठित चयन समिति।
4. **वर्गीकरण तथा वेतनमान आदि.**— (1) शैक्षणिक पद, जो राज्य शासन द्वारा स्वीकृत हो तथा जिनके लिये कार्यकारिणी समिति को सरकार से अनुदान प्राप्त होता हो, के लिए वेतनमान एवं वर्गीकरण ऐसे होंगे, जैसा कि इन नियमों की अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।
- (2) ऐसे शैक्षणिक पद, जिनके लिए सरकार से अनुदान प्राप्त नहीं किया गया है, के पारिश्रमिक तथा वर्गीकरण, कार्यकारिणी समिति द्वारा पारित संकल्प द्वारा नियत किया जायेगा।
5. **आमेलन तथा चयन प्रक्रिया.**— (1) इन नियमों के प्रवर्तन के पूर्व से नियुक्त चिकित्सा शिक्षक का आमेलन उपयुक्त पदों पर किया जायेगा तथा कार्यकारिणी समिति इन नियमों में संलग्न अनुसूची-एक में उल्लिखित अनुसार उनके वेतन का विनिश्चय करेगी :
- परन्तु ऐसे चिकित्सा शिक्षक, जिनकी नियुक्ति राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ चिकित्सा शिक्षा (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 1987 के अधीन की गई हो, उनकी सेवा राज्य शासन के नियमों द्वारा शासित होगी तथा वे स्वशासी समिति में प्रतिनियुक्ति पर माने जायेंगे।
- (2) आमेलन की प्रक्रिया निम्नानुसार होगी:—
- (एक) कार्यकारिणी समिति द्वारा इन नियमों के प्रारंभ होने से पूर्व नियुक्त किया गया चिकित्सा शिक्षक, जिस पद पर नियुक्त अथवा पदोन्नति द्वारा पदस्थ किया गया हो, यदि वह उस पद की अर्हता रखता हो, तो उसी पद पर आमेलन किया जायेगा।
- (दो) आमेलन के लिए महाविद्यालय के अधिष्ठाता/प्राचार्य की अध्यक्षता में गठित 3 सदस्यीय समिति द्वारा परीक्षण किया जायेगा। समिति का एक सदस्य संभागायुक्त द्वारा और एक सदस्य अधिष्ठाता/प्राचार्य द्वारा मनोनीत होगा।
6. **रिक्त पदों पर नियुक्ति.**— रिक्त पदों तथा भविष्य में रिक्त होने वाले पदों पर नियुक्ति निम्नानुसार होगी:—
- (क) सीधी भर्ती के पद और पदोन्नति के पद की गणना अनुसूची-दो के अनुसार की जायेगी।
- (ख) कार्यकारिणी समिति, संकल्प पारित कर रिक्त पदों की पूर्ति के लिये आवश्यक न्यूनतम अर्हता के मापदण्ड में, वृद्धि कर सकेगी तथा अतिरिक्त अर्हता नियत कर सकेगी। पदवार अर्हता अनुसूची-तीन के अनुसार रहेगी।
- (ग) चयन समिति, संचालक चिकित्सा शिक्षा की अध्यक्षताधीन होगी, जिसमें महाविद्यालय के अधिष्ठाता/प्राचार्य के अतिरिक्त न्यूनतम दो, शासकीय/स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालयों/एम्स के, सेवारत अथवा सेवानिवृत्त ख्यातिप्राप्त प्राध्यापक, भारसाधक सचिव द्वारा मनोनीत किये जायेंगे।
7. **सीधी भर्ती की प्रक्रिया.**— (1) सीधी भर्ती के पदों की पूर्ति के लिए कार्यकारिणी समिति विज्ञापन जारी करेगी तथा पारदर्शी प्रक्रिया अपनायेगी।
- (2) सीधी भर्ती के पदों की पूर्ति के लिए कार्यकारिणी समिति संकल्प पारित कर लिखित परीक्षा अथवा साक्षात्कार अथवा दोनों नियत कर सकेगी।
- (3) चयन समिति, मेरिट के आधार पर एवं मेरिट क्रम में अभ्यर्थियों का चयन हेतु अनुशंसा करेगी और तदनुसार मेरिट क्रम में नियुक्ति की जा सकेगी।
- (4) चयनित अभ्यर्थी की नियुक्ति प्रथम बार अनुबंध आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर की जायेगी :
- परन्तु यह कि नियम 7 (3) के आधार पर चयनित अभ्यर्थी, यदि महाविद्यालय में सीनियर रेसिडेन्ट अथवा अन्य वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षक के रूप में एक वर्ष या अधिक की कालावधि के लिये कार्य किया हो, तो उसे नियमित सेवा में नियुक्ति दी जा सकेगी।
- (5) चयन समिति, परीक्षा अवधि के दौरान चिकित्सा शिक्षक द्वारा किये गये अध्यापकीय एवं चिकित्सकीय कार्यों के आधार पर संबंधित व्यक्ति को नियुक्त करने अथवा अन्यथा की अनुशंसा करेगी और तदनुसार आदेश जारी किया जायेगा।

- (6) महाविद्यालय में पूर्व से कार्यरत व्यक्ति, यदि सीधी भर्ती अथवा पदोन्नति के पद के लिये अर्ह हो, तो सीधी भर्ती के लिये आवेदन देने के लिए स्वतंत्र होगा और ऐसे आवेदन के लिए उसे नियोक्ता से अनापत्ति लेना आवश्यक नहीं होगा।
- (7) महाविद्यालय में पूर्व से कार्यरत व्यक्ति का, यदि अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी पद के लिये चयन किया गया हो तो उनका वेतनमान उसके द्वारा महाविद्यालय में दी गई पूर्व सेवा अवधि को गणना में लेकर निर्धारित किया जायेगा।
- (8) किसी महाविद्यालय में इन नियमों के अंतर्गत नियुक्त किसी भी व्यक्ति की सेवायें अहस्तांतरणीय होंगी।
8. **पदोन्नति द्वारा नियुक्ति की प्रक्रिया.**— (1) पदोन्नति के रिक्त पदों की पूर्ति के लिये कार्यकारिणी समिति समय-समय पर संकल्प पारित कर निम्न में से कोई भी एक या अधिक मापदण्ड अपनाने का निर्णय ले सकेगी :—
- (एक) स्वशासी महाविद्यालय में की गई सेवा का मूल्यांकन।
- (दो) साक्षात्कार।
- (तीन) लिखित परीक्षा।
- (2) पदोन्नति के पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु प्राध्यापक के पद पर पदोन्नति के लिये सह प्राध्यापक को एवं सह प्राध्यापक के पद पर पदोन्नति के लिए सहायक प्राध्यापक को विचारण क्षेत्र में रखा जायेगा।
- (3) पदोन्नति के लिए विचारण क्षेत्र में उन सभी अभ्यर्थियों को रखा जायेगा जो नियम 6 के अनुसार पद के लिये पदोन्नति हेतु अर्ह हो। विचारण क्षेत्र की सूची, महाविद्यालय में की गई सेवा अवधि के घटते क्रम में बनाई जायेगी।
- (4) चयन समिति, अभ्यर्थियों का चयन कर पदोन्नति हेतु अनुशंसा करेगी और मेरिट क्रम में रिक्त पदों के विरुद्ध पदोन्नति आदेश जारी किये जायेंगे।
- (5) ऐसे चिकित्सा शिक्षक जिनकी नियुक्ति छत्तीसगढ़ चिकित्सा शिक्षा (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 1987 के अधीन की गई हो, की सेवा राज्य शासन के नियमों के द्वारा शासित होंगे, परन्तु उनकी पदोन्नति हेतु कार्यकारिणी समिति के माध्यम से भरे आमेति पद/चयनित पद रिक्त माने जायेंगे तथा ऐसे (लोक सेवा आयोग से चयनित चिकित्सा शिक्षक के) पदोन्नति की स्थिति में पदोन्नति के पद पर पूर्व से स्वशासी समिति के माध्यम से कार्यरत चिकित्सा शिक्षक का पद एवं वेतन स्वशासी समिति से सुरक्षित किया जायेगा, जिस हेतु कार्यकारिणी समिति पदोन्नति के फलस्वरूप रिक्त हुए निम्न पद के विरुद्ध स्वशासी समिति में कार्यरत चिकित्सा शिक्षक को समयमान वेतनमान प्रदान करते हुए पदनामित कर सकेगा।
- (6) छत्तीसगढ़ चिकित्सा शिक्षा (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 1987 के अधीन नियुक्त चिकित्सा शिक्षक समकक्ष पद में स्वशासी समिति में नियुक्त चिकित्सा शिक्षक से सदैव वरिष्ठ माने जायेंगे।
- (7) स्वशासी समिति के अधीन नियुक्त चिकित्सा शिक्षक तथा छत्तीसगढ़ चिकित्सा शिक्षा (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 1987 के अधीन नियुक्त शिक्षक, दो-दो वर्ष के चकानुकम (रोटेशन) में विभागाध्यक्ष पदों पर नियुक्त किये जायेंगे।
9. **आरक्षण.**— राज्य शासन का आरक्षण नियम उन पदों पर लागू होंगे जिनके लिए राज्य शासन द्वारा अनुदान दिया जाता है।
10. **प्रतिनियुक्ति सेवा.**— छत्तीसगढ़ चिकित्सा शिक्षा (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 1987 के अधीन प्रतिनियुक्ति पर भरे गये पदों को छोड़कर, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति, स्वशासी समिति के पदों हेतु निम्नलिखित रीति में विनियमित होंगी, अर्थात्:—
- (1) कार्यकारिणी समिति किसी भी पद को एक बार में 3 वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति से भर सकेगी, किन्तु किसी भी व्यक्ति की प्रतिनियुक्ति अवधि कुल 6 वर्ष से अधिक नहीं हो सकेगी।
- (2) प्रत्येक प्रतिनियुक्ति के लिये मूल नियोक्ता की सहमति अनिवार्य होगी।
11. **अनुबंध सेवा.**— कार्यकारिणी समिति संकल्प पारित कर यथा आवश्यक रिक्त पदों की पूर्ति के लिये अर्हताधारी व्यक्ति की सेवाएं अनुबंध सेवा के आधार पर निम्नानुसार रीति में ले सकेगी:—
- (1) अनुबंध सेवा के लिये चयन समिति की अनुशंसा आवश्यक होगी।
- (2) किसी भी व्यक्ति को उसकी आयु 70 वर्ष अथवा भारतीय चिकित्सा परिषद् के द्वारा निर्धारित आयु के पूर्ण होने के उपरान्त अनुबंध सेवा पर नहीं रखा जा सकेगा।
- (3) कार्यकारिणी समिति, अनुबंध सेवा के लिए एक मुश्त मासिक पारिश्रमिक या कार्य आधारित पारिश्रमिक या दोनों नियत कर सकेगी। ऐसे पारिश्रमिक में अनुबंधदाता की आय के अन्य स्रोतों का संज्ञान नहीं लिया जायेगा :

परन्तु यह कि संबंधित पद के लिए शासन द्वारा निर्धारित वेतनमान से अधिक पारिश्रमिक, तब तक नहीं दी जायेगी जब तक कि भारसाधक सचिव, चिकित्सा शिक्षा द्वारा अनुमति नहीं दे दिया गया हो :

परन्तु यह और कि ऐसे सेवानिवृत्त चिकित्सा शिक्षक, जिन्होंने अधिवार्षिकी आयु के 5 वर्ष के भीतर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति प्राप्त करने का विकल्प लेता है, को देय पारिश्रमिक ऐसी राशि से अधिक नहीं होगी, जो वह आहरित करता यदि वह सेवा में होता।

12. **सेवा की शर्तें**— (1) अवकाश : आमेलन पर नियुक्ति, पदोन्नति/सीधी भर्ती से नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, नीचे उल्लिखित अवकाश के लिए पात्र होगा, अर्थात्—

(एक) आकस्मिक अवकाश— कैलेण्डर वर्ष के दौरान 16 दिन का आकस्मिक अवकाश कैलेण्डर वर्ष में की गई सेवा के अनुपात में।

(दो) अर्जित अवकाश/विश्रामावकाश— कैलेण्डर वर्ष में 30 दिवस का अर्जित अवकाश उस कैलेण्डर वर्ष में की गई सेवा के अनुपात में देय होगा। अर्जित अवकाश की गणना के प्रयोजन हेतु विश्रामावकाश की अवधि 45 दिवस निर्धारित की जाती है।

कर्तव्य पर रहने विश्रामावकाश का लाभ लेने से वंचित होने की स्थिति में अर्जित अवकाश की पात्रता 30 दिवस की अधिकतम सीमा के अधीन उतने दिन की ही हो, जितने दिन कर्तव्य पर रहने से विश्रामावकाश का लाभ नहीं लिया जा सके। यदि अन्य कारणों से अतिरिक्त विश्रामावकाश की सुविधा देय है तो वह अर्जित अवकाश की पात्रता के प्रयोजन हेतु गणना में नहीं ली जायेगी। किसी चिकित्सा शिक्षक के अवकाश खाते में अधिकतम 300 दिवस का अर्जित अवकाश जमा रह सकेगा। 300 दिवस से अधिक का अवकाश स्वतः ही व्यपगत हो जायेगा।

(तीन) **चिकित्सा अवकाश** — कैलेण्डर वर्ष में 40 दिवस अर्द्धवेतनिक चिकित्सा अवकाश कैलेण्डर वर्ष में की गई सेवा के अनुपात में।

(चार) **प्रसूति अवकाश** — महिला शिक्षक के दो से कम जीवित बच्चे होने की दशा में 180 दिवस के प्रसूति अवकाश की पात्रता होगी।

(पांच) **पितृत्व अवकाश** — पुरुष शिक्षक को दो से कम जीवित बच्चे होने पर एक समय में 15 दिवस के पितृत्व अवकाश की पात्रता होगी।

(छः) **अध्ययन अवकाश** — संपूर्ण सेवाकाल में 24 माह (एक समय में 11 माह) के अध्ययन अवकाश की पात्रता पूर्ण वेतन तथा मंहगाई भत्ता (अन्य भत्ते नहीं) की पात्रता होगी। इसके अतिरिक्त 1 वर्ष का अतिरिक्त अध्ययन अवकाश अवैतनिक लिया जा सकता है, यदि पाठ्यक्रम की कुल अवधि 3 वर्ष की हो।

पात्रता के लिये चिकित्सा शिक्षक की 05 वर्ष का सेवाकाल पूर्ण होने तथा अवकाश के उपरान्त 03 वर्ष से अधिक का समय सेवानिवृत्त हेतु शेष होना आवश्यक होगा।

(2) अवकाश का अधिकार के रूप में दावा नहीं किया जा सकेगा। अवकाश स्वीकृत करने वाला प्राधिकारी लोकहित में अवकाश स्वीकृत अथवा अस्वीकृत कर सकेगा।

13. **आचरण**— चिकित्सा शिक्षक के संबंध में आचरण नियम निम्नानुसार होंगे—

(1) व्यावसायिक आचरण— भारतीय चिकित्सा परिषद् तथा छत्तीसगढ़ चिकित्सा परिषद् द्वारा समय-समय पर निर्धारित सीमाओं, मापदण्डों एवं अपेक्षाओं के अनुरूप होना।

(2) प्रशासनिक आचरण— चिकित्सा शिक्षक के पद से अपेक्षित कर्तव्यों का तथा समय-समय पर सौंपे गये प्रशासनिक दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना।

14. **अनुशासन तथा नियंत्रण**— चिकित्सा शिक्षक के विरुद्ध निम्नलिखित दशाओं में अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकेगी :—

(1) चिकित्सा शिक्षक को सेवा से स्वतः ही पृथक माना जायेगा, यदि उसे किसी न्यायालय द्वारा नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिए दोषसिद्ध किया गया हो अथवा भारतीय चिकित्सा परिषद्, छत्तीसगढ़ चिकित्सा परिषद्, भारतीय दंत परिषद् या छत्तीसगढ़ दंत परिषद् द्वारा उसका नाम पंजी से स्थाई रूप से हटाया गया हो।

(2) चिकित्सा शिक्षक को दस दिन का कारण बताओ सूचना तथा सुनवाई का अवसर दिये जाने के पश्चात् निम्नलिखित शर्तों के अधीन दंडित किया जा सकेगा :—

(एक) वित्तीय अनियमितता करने, गबन करने अथवा महाविद्यालय या शासन को वित्तीय हानि कारित करने पर;

(दो) कर्तव्य से लगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने की दशा में;

- (तीन) अमर्यादित व्यावसायिक या प्रशासनिक आचरण करने की दशा में;
- (चार) गंभीर अनुशासनहीनता के आचरण की दशा में।
- (पांच) भारतीय चिकित्सा परिषद् या छत्तीसगढ़ चिकित्सा परिषद् या भारतीय दंत परिषद् या छत्तीसगढ़ दंत परिषद् के पंजी से अस्थाई रूप से नाम हटाया जाना अथवा निलंबन किया जाना;
- (3) निम्नलिखित दण्डों में से लिखित आख्यापक आदेश पारित करके उचित दण्ड अधिरोपित किया जा सकेगा :-
- (एक) सेवा समाप्त करना;
- (दो) वेतनवृद्धि रोकना;
- (तीन) हानि की राशि की वसूली करना;
- (चार) अनुपस्थिति की अवधि को अवैतनिक घोषित करना तथा अनाधिकृत अनुपस्थिति की अवधि को अकार्य दिन अथवा अवैतनिक घोषित करना। परन्तु सेवा समाप्ति के लिए कार्यकारिणी समिति द्वारा संकल्प पारित करना आवश्यक होगा।
- (4) अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए सक्षम अधिकारी निम्नानुसार होंगे:-

पदनाम	सक्षम प्राधिकारी	अपीलीय प्राधिकारी
ट्यूटर/प्रदर्शक/सीनियर रेसीडेंट/सहायक प्राध्यापक / सह प्राध्यापक	मुख्य कार्यपालन अधिकारी	कार्यकारिणी समिति
प्राध्यापक	कार्यकारिणी समिति	साधारण सभा
मुख्य कार्यपालन अधिकारी		साधारण सभा

- (5) अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के प्रयोजन के लिए सक्षम अधिकारी द्वारा निम्नलिखित शर्तों का पालन किया जायेगा:-
- (एक) सुनवाई के लिए नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत लागू होंगे।
- (दो) संबंधित चिकित्सा शिक्षक को उसके विरुद्ध प्रमाण का अवलोकन कराया जायेगा।
- (तीन) उपरोक्त नियम 14.2 के अधीन सूचना जारी करने के दिनांक से दो माह के भीतर समस्त कार्यवाही पूरी की जायेगी।
15. **अधिवार्षिकी आयु.**— अधिवार्षिकी आयु 70 वर्ष होगी।
16. **पेंशन.**— राष्ट्रीय पेंशन योजना का लाभ देय होगा, जो कि स्वशासी समिति संकल्प पारित कर लागू करे।
17. **निर्वचन.**— इन नियमों के निर्वचन के संबंध में यदि कोई प्रश्न उद्भूत होता है, तो उसे भारसाधक सचिव, चिकित्सा शिक्षा को निर्दिष्ट किया जायेगा, जिस पर उसका विनिश्चय अन्तिम होगा।
18. **निरसन और व्यावृत्ति.**— इन नियमों के तत्स्थानी तथा इनके प्रारंभ होने के पूर्व प्रवृत्त सभी नियम इन नियमों के अन्तर्गत आने वाले विषयों के संबंध में एतद्वारा निरस्त किये जाते हैं :
- परन्तु यह कि इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कार्यवाही इन नियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन किया गया आदेश या की गई कार्यवाही समझी जायेगी।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
प्रियंका शुक्ला, संयुक्त सचिव.

Atal Nagar, the 1st July 2019

NOTIFICATION

No.F 3-28/2018/9/55-4.- The Government of Chhattisgarh, hereby, makes the following Model Service Rules for the educational cadre of autonomous medical and dental colleges established by State Government, namely:-

MODEL SERVICE RULES

1. **Short title, extent and commencement.**- (1) These rules may be called the Chhattisgarh Autonomous Medical College Teaching Model Service Rules, 2019.
(2) These rules shall apply to those autonomous medical and dental colleges whose executive committee adopts these rules by passing a resolution:
Provided that, these rules shall not apply to Pt. J.L. Nehru Memorial Medical College Raipur.
(3) These rules shall come into force from the date on which Executive Committee passes the resolution.
2. **Applicability.**- (1) These rules shall apply to teaching post created/by Medical Education Department of the Government for autonomous medical colleges.
(2) Autonomous colleges may implement for such teaching posts also whose pay and allowances are paid by its own revenue and permitted in writing by chair person of executive committee.
3. **Definitions.**- In these rules, unless the context otherwise requires,-
(1) "**College**" means autonomous medical college and dental college, whose executive committee has enforced these rules, except Pt. J.L.N. Memorial College, Raipur;
(2) "**Dean**" means chief executive officer of the college;
(3) "**Executive Committee**" means executive committee of Autonomous Committee of medical college/Dental college constituted under C.G. Society Registrikaran Adhiniyam, 1973 (No.44 of 1973);
(4) "**Medical Teacher**" means the person appointed against any post specified in Schedule-I;
(5) "**Principal**" means chief executive officer of dental college;
(6) "**Qualification**" means qualification prescribed by medical council of India for specific posts;
(7) "**Schedule**" means the Schedule approved by the Secretary in charge of medical education for the college;
(8) "**Selection Committee**" means the committee constituted under these rules;
4. **Classification and Pay scale etc.**- (1) Pay scale and classification of the teaching posts which are approved by State Government and whose grants are received from State Government by the Executive Committee shall be as specified in Schedule-I of these rules.
(2) The teaching posts for which the grants are not received from Government, the remuneration and classification shall be fixed by a resolution passed by the Executive Committee.
5. **Absorption and selection process.**- (1) The medical teachers appointed prior to enforcement of these rules shall be absorbed in suitable posts and the Executive Committee shall decide their pay scale as mentioned in Schedule-I attached to these rules:

Provided that those teachers appointed by State Govt. under Chhattisgarh Medical Education (Gazetted) Service Recruitment Rule 1987, their services shall be governed by State Government rules and shall be deemed to be on deputation in autonomous society.

(2) The process of absorption shall be as follows:-

- (i) Medical teacher appointed by appointment or promotion prior to commencement of these rules shall be absorbed in the same post provided he/she possesses the qualifications of that post by Executive Committee.
 - (ii) For absorption in a college 3 member committee chaired by the dean/principal shall examine. One member of the Committee shall be nominated by commissioner & one shall be nominated by the dean/principal.
6. **Appointment on the Vacant posts.**- Appointment on the vacant posts or likely to be vacant in future shall be as follows :-
 - (a) Posts for direct recruitment and by promotion shall be calculated as per Schedule-II.
 - (b) Executive committee may enhance the norms of minimum essential qualification for filling the vacant posts by passing a resolution and may determine the additional qualification. Post-wise qualifications shall be in accordance with Schedule-III.
 - (c) Selection committee shall be under the chairmanship of Director Medical Education in which at two least professors or retired professors of eminence from Government/Autonomous Colleges/ AIIMS to be nominated by Secretary-In-charge in addition to the Dean/ Principal of the college.
7. **Procedure of Direct Recruitment.** (1) For filling the posts of direct recruitment, the Executive Committee shall advertise the posts and adopt a transparent procedure.
 - (2) For filling the posts of direct recruitment the Executive Committee may conduct the written examination or interview or both by passing a resolution.
 - (3) Selection committee shall recommend on the basis of merit and in order of merit for the selection of the candidates and the appointment may be made in order of merit accordingly.
 - (4) Selected candidates shall be appointed on probation of one year for the first time on contractual basis:

Provided that the candidate selected on the basis of Rule 7 (3), if worked as senior resident or other senior medical teacher in a college worked for one year or more, may be appointed on regular service.
 - (5) Selection Committee shall recommend for appointment to person concerned or otherwise on the basis of teaching and hospital work done by a teacher during the probation period, and the order will be issued accordingly.
 - (6) Person already working in a college if qualified for direct posts or promotional posts will be free to apply for direct posts, for such application no objection is not required from the employer.
 - (7) Person already working in a college if selected for any posts specified in Schedule, then their pay shall be fixed by calculating the period already worked in a college.
 - (8) Services of any person appointed under these rules for a college, shall not be transferrable.
8. **Procedure for appointment by Promotion.**- (1) For the vacant promotional posts the executive committee by a resolution from time to time may decide any one or more standard from following:-
 - (i) Evaluation of work done in autonomous college.
 - (ii) Interview.
 - (iii) Written Examination

- (2) For direct appointment on promotional posts Associate Professor for the promotion on the post of Professor and Assistant Professor for the promotion on the post of Associate Professor shall be placed in zone of consideration.
- (3) All the applicants, who are qualified for promotion to the posts in rule 6, will be placed in zone of consideration. List of zone of consideration shall be made on descending order of period of service rendered in college.
- (4) Selection committee will recommend for promotion after selection of the candidates and promotion orders will be issued on vacant posts in order of merit.
- (5) Such medical teachers appointed under Chhattisgarh Chikitsa Siksha (Gazetted) Seva Bharati Niyam, 1987 shall be governed by State Government rules. absorbed posts/selected posts filling by executive committee for their promotion shall be deemed to vacant and they shall be deemed to be on deputation in autonomous committee. Such teachers (selected by Lok Seva Ayog), in case of promotion to the post. Their pay shall be protected by autonomous committee for which the committee shall give time bond scale and time bond promotion post.
- (6) Teacher appointed under Chhattisgarh Chikitsa Siksha (Gazetted) Seva Bharati Niyam, 1987 shall always be senior to the teachers appointed in autonomous committee in equivalent posts.
- (7) Teachers appointed under Chhattisgarh Chikitsa Siksha (Gazetted) Seva Bharati Niyam, 1987 and the teachers appointed under autonomous committee shall be appointed to the post of Head of the Department for 2 years on rotation basis.
9. **Reservation.**- The reservation rules of the State Govt. shall apply to the posts for which the State Govt. gives the grant.
10. **Deputation service.**- Appointment on deputation shall be regulated in following manner for the posts in autonomous society except for the posts which are filled on deputation under Chhattisgarh Chikitsa Siksha Seva (Gazetted) Seva Bharati Niyam, 1987, namely:-
- (1) Executive Committee shall fill the post on deputation for 3 years, but the deputation period cannot extend beyond six years for any person in total.
 - (2) For each deputation the consent of original employer is compulsory.
11. **Contractual Service.**- Executive Committee by passing a resolution may take qualified persons on contractual service basis for vacant posts in the following manner:-
- (1) Recommendation of selection committee is essential for contractual service.
 - (2) No body shall be kept in contractual service beyond the age of 70 years or the age prescribed by Medical Council of India.
 - (3) Executive committee shall fix monthly remuneration or work based remuneration or both for contractual service. Cognizance of income from other sources of contractor in such remuneration shall not be taken in to consideration:
- Provided that the re-numeration more than the pay scale declared by State Government for relevant posts shall not be given unless permitted by secretary In-charge of Medical Education:
- Provided further that such retired teacher, who had opted for voluntarily retirement within 5 years of superannuation, shall not get the remuneration more than what the he would have drawn if already in service.
12. **Conditions of Service.**- (1) Leave: Persons appointed on absorption, promotion/directed recruitment shall be entitled for following leave, namely:-
- (i) **Casual leave**- 16 days in a calendar year proportionate to the service done in calendar year.
 - (ii) **Earned leave/vacation leave**- 30 days earned leave in a calendar year shall be credited or the proportionate days will be credited for the work done in a

calendar year. For the purpose of calculation of earned leave, vacation of 45 days will be counted. Vacation leave not availed because of duty will be considered subject to maximum of 30 days. If additional vacation is given then it shall not be counted for the purpose of Earned leave. In leave account of any medical teacher maximum earned leave credited shall be 300 days. More than 300 days will be lapsed automatically.

- (ii) **Medical leave-** 40 days half pay commuted leave will be credited in a calendar year proportionately.
- (iii) **Maternity leave-** Female teachers will be entitled for 180 days maternity leave subject to maximum of two living children.
- (iv) **Paternity Leave-** Male teachers will be entitled for 15 days paternity leave at a time subject to maximum of two living children.
- (v) **Study Leave-** In the entire period of service one is entitled for 24(11 month at a time) months of study leave with full pay and dearness allowance (and not any other allowance). In addition to this additional one year study leave may be granted without pay, in case the course consists of 3 years.

Eligibility for study leave is 5 years continuous service and after leave at least 3 years for superannuation is essential.

- (2) **Leave cannot be claimed as of right.** Sanctioning authority may refuse or cancel sanctioned leave in public interest.

13. Conduct.- For medical teacher conduct rules are given below:-

- (1) Professional conduct: Limitation, standards, Expectations fixed from time to time by medical council of India and Chhattisgarh Medical Council.
- (2) Administrative Conduct: Duty assigned and administrative responsibilities allotted from time to time.

14. Discipline and control.- Disciplinary action against medical teacher may be taken on following situations:-

- (1) A medical teacher shall be deemed to be removed from service if the teacher has been convicted by a court on an offence which involves moral turpitude or teacher name had been permanently removed from a register of Medical Council of India, Chhattisgarh Medical Council, Dental Council of India, or Chhattisgarh Dental Council.

- (2) Medical teacher after giving a reasonable opportunity of hearing and a show cause notice of 10 days may be punished on following grounds:-

- (i) Financial irregularity, Misappropriation or doing financial loss to Government or College;
- (ii) Unauthorized absence from duty for a long time;
- (iii) Unbecoming Professional or Administrative conduct;
- (iv) Conduct leading to serious indiscipline;
- (v) Temporarily removal or suspension of name from the register of Medical Council of India, C.G. Medical Council or Dental Council of India, C.G. Dental Council due to misconduct.

- (3) An appropriate punishment may be given by written order from following punishments:

- (i) Termination of Service;
- (ii) Withholding increments;
- (iii) Recovery of lost money;

- (iv) To sanction leave without pay of period of absence or to declare dies-non of period of unauthorized absence. But for termination of service passing a resolution by executive committee is essential.

(4) Following shall be Competent Authority for taking disciplinary action.

Post	Competent Authority	Appellate Authority
Tutor/Demonstrator/Senior Resident/ Assistant Professor/ Associate Professor	Chief Executive officer	Executive Committee
Professor	Executive committee	General Body
Chief executive officer	Executive committee	General Body

(5) For the purpose of taking disciplinary action competent authority shall follow following conditions:-

- Principle of Natural Justice shall apply.
- Concerned teacher shall be entitled to observe the document, evidence produced.
- All the actions will be completed within 2 months from the date of issuing notice under above rule 14 clause 2.

15. **Age of Superannuation.**- Superannuation age will be 70 years.

16. **Pension.**- Benefit of National pension Yojana will be given which the Executive Committee passes by a resolution.

17. **Interpretation.**- If any question arises for the interpretation of these rules, the matter shall be referred to Secretary In-charge Medical Education, whose decision shall be final.

18. **Repeal and Savings.**- All the rules and the rules repugnant to these rules are hereby repealed:

Provided that the action taken or orders passed under the repealed rules shall be deemed to be done under these rules.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
PRIYANKA SHUKLA, Joint Secretary.